आधी आबादी

डॉ. संदीप श्रीराम पाईकराव
डॉ. संतोष विजय येरावर

परिकल्पना

© सम्पादक

प्रथम संस्करण : 2018

मूल्य : 525

ISBN : 978-93-87859-84-5

शिवा नंद तिवारी द्वारा *परिकल्पना,* बी-7, सरस्वती कामप्लेक्स,
सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित और
शेष प्रकाश शुक्ला, गाजियाबाद-201010 से टाइप सेट होकर
काम्पैक्ट प्रिंटर्स, दिल्ली-110032 में मुद्रित

डॉ. संतोष विजय येयावर

जन्म : 27 सितंबर 1979 नांदेड़, शिक्षा-स्वा. रा.ती. मराठवाड़ा विश्वविद्यालय नांदेड से एम.ए., बी.ए, एम.एस.डब्लयू, पी. एचडी नेट

लेखन : विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में आलेख वाचन, भारतीय पाश्चात्य साहित्य (प्रकाशनाधीन)

संपादन : सामाजिक सरोकार के समन्वयवादी रचनाकार बाबा नागार्जुन

विशेष : राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम आधिकारी एवं विभागीय समन्वयक

संप्रति : अध्यक्ष, हिंदी विभाग-देगलूर महाविद्यालय देगलूर -जिला - नादेड-431717 (महाराष्ट्र)

संपर्क : सिद्धिविनायक अपार्टमेंट, लाईन गल्ली देगलूर-जिला. नादेड 431717 (महाराष्ट्र), दूरभाष : 8087004972

ई-मेल : ysantosh2723@gmail.com

11

प

परिकल्पना

बी-7, सरस्वती काम्प्लेक्स, तृतीय तल, सुभाष चौक
लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092, मो.: 9968084132
e-mail : parikalpana.delhi2016@gmail.com

ISBN 978-93-87859-84-5

9 789387 859845

आधी आबादी

डॉ. संदीप श्रीराम पाईकराव
डॉ. संतोष विजय येरावर

अनुक्रम

स्त्री विमर्श : अस्मिता का सवाल 23
—डॉ. मनोज पाण्डेय

उषा यादव के कथा-संसार में स्त्री विमर्श 32
—डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ

इक्कीसवीं सदी में पुरुषसत्तात्मक समाज से संघर्षत नारी 43
—डॉ. पठान रहीम खान

नारी विमर्श के दायरे में प्रवासी कहानी 48
—डॉ. शबाना हबीब

हिन्दी का सिनेमाई संसार और उसके महिला पात्र 52
—डॉ. रश्मि

राजी सेठ की कहानियों में स्त्री-विमर्श 59
—डॉ. डी. उमादेवी

स्त्री अस्मिता एवं मानवीय संवेदना को उजागर करने वाली... 65
—डॉ. ए.डी. चावड़ा

इक्कीसवी सदी के नारी का अतीत, वर्तमान और भविष्य की संवेदना 70
—डॉ. संतोष रामचन्द्र आडे

'धूल पौधों पर' उपन्यास में नारी-संघर्ष और अंतर्द्वन्द्व 78
—डॉ. गिरजाशंकर गौतम

अनामिका की कविताओं में स्त्री-विमर्श 82
—डॉ. निम्मी ए.ए

आधुनिकता हिन्दी साहित्य में नारी-विमर्श 89
—डॉ. के. श्याम सुन्दर

हिन्दी आत्मकथाओं में नारी संघर्ष के विविध आयाम 93
—डॉ. शिवहर बिरादर

आधुनिक शहरी नारी की समस्याएँ 97
—डॉ. टी. सुमती
समकालीन साहित्य में स्त्री-विमर्श 100
—डॉ. सीमा सिंह
कृष्णा सोबती के उपन्यासों में स्त्री-विमर्श 105
—डॉ. सुशीला रानी
समकालीन हिन्दी नाटकों में स्त्री-विमर्श 113
—डॉ. लव कुमार
समकालीन कथा साहित्य में स्त्री-विमर्श : एक विशेषण संदर्भ 122
—डॉ. खाज़ी एम.के.
समकालीन स्त्री कविताओं में स्त्री छवि 129
—डॉ. नवीन नन्दवाना
भारतीय संदर्भ में महिला सशक्तीकरण एवं उनके अधिकार 140
—डॉ. राहुल कुमार
स्त्री-विमर्श और पुरुष-विमर्श 148
—डॉ. राजेश कुमार
नासिरा शर्माजी के नारी पात्रों का समाजशास्त्रीय अध्ययन 154
—डॉ. राजश्री भामरे
21वीं सदी की हिन्दी कविता में स्त्री 169
—डॉ. सहदेव वर्षाराणी निवृत्तीराव
समकालीन भारतीय साहित्य में स्त्री-विमर्श 175
—डॉ. टी. सुनीता
नासिरा शर्मा के उपन्यासों में नारी संघर्ष 179
—हेमलता
अंतिम दशक की कहानियों में कामकाजी नारी की समस्याएँ 183
—डॉ. अरुण हेरेमत
स्त्री पराधीनता और कितने सदियों तक 187
—प्रा. डॉ. टी. श्रीनिवासुलु
समकालीन कथा साहित्य में स्त्री-विमर्श 195
—डॉ. लोकेश्वर प्रसाद सिन्ह
आधुनिक शहरी नारी की समस्याएँ 198
—डॉ. टी. सुमती

उत्तर आधुनिकता : नारी-विमर्श 201
—एम. रामचन्द्रम
नारी स्वभाव के विभिन्न आयामों सफल प्रतीक : शीलवती 205
—ताल्ला निरंजन
हिन्दी साहित्य में ग्रामीण नारी की समस्याएँ 208
—डॉ. ई. राजा कुमार
हिन्दी साहित्य में चेतना युक्त नारी 211
—डॉ. ई. सुनीता
शिवानी की कहानियों में नारी पात्रों की मनःस्थिति 214
—प्रा. शेषगणी गफुरसाहेब
उषा यादव के साहित्य में नारी 219
—नितिन शेटी
समकालीन हिंदी कविता में अग्नि व्यक्त नारी संवेदना 227
—डॉ. संतोष विजय येरावार
नारी विमर्श की सशक्त हस्ताक्षर—मीराबाई 233
—श्रीमती मीरा मुण्डा